Report on Sangeet Mahotsav: Celebrating 50 Years of College

Organising Secretary: Dr. Anjali Yadav, Music Department of Government P.G. College, Berinag.

Convener: Dr. Lalit Singh, Coordinator, IQAC

Co-Convener: Dr. Lila Dhar Mishra, Coordinator, IAC

Date: Thursday, February 20, 2025

Time: 10:30 AM – 1:30 PM

Resource Person: Dr. Pankaj Upreti, professor of music, Government Degree College Tanakpur.

Music Department of Govt. PG College, Berinag, in coordination with IQAC & IAC, organized a grand musical event, **Sangeet Mahotsav**, to celebrate the *glorious 50 years of the college.* Professor B.M. Pandey welcomed Mr. Pankaj Upreti with a bouquet of flowers. All the faculty members and students of the college attended the programme. The programme commenced with the lighting of the lamp in front of Goddess Saraswati, followed by a soulful rendition of Saraswati Vandana and a welcome song by the students. Dr. Pankaj Upreti mesmerized the audience with his remarkable performances, presenting various Raags and rhythms, with a special emphasis on Holi songs. Some of the noteworthy renditions included:

1. Raag Basant – Fagwa Brij Dekhan Ko Chali Re

This Raag is associated with spring and celebration. It is known for its bright and energetic notes, symbolizing joy and festivity, making it perfect for Holi.

2. Raag Bhopali – Zindagi Dene Wale Sun, Teri Duniya Se Man Bhar Gaya

Raag Bhopali evokes a sense of serenity and devotion. It is often used in bhajans and meditative compositions.

3. Raag Kafi – Prabhu Me Naam Ki Holi, Jagat Mein Jisne Bhi Kheli

This raag expresses emotions of love and devotion.

4. Raag Khamaj – Rang Mein Raga De Maula, Tu toh Sahib Mera

A versatile raag, Khamaj is known for its expressive and romantic mood, making it ideal for both devotional and light classical compositions.

5. Raag Bhairavi – Ras Me Bhare Tore Nain and Ho Mubarak Manjari Phoolon Bhari

Raag Bhairavi, evokes feelings of peace and devotion. It is deeply emotional and often used in Bhajans and semi-classical compositions.

The event also featured an captivating **Tabla performance by Mr. Dheeraj and Harish Joshi,** which added rhythm and depth to the musical presentations.

Conclusion

The Sangeet Mahotsav was a resounding success, with the audience deeply moved by the soul-stirring performances. Dr. Pankaj Upreti's enchanting voice, making the event a memorable tribute to the college's 50-year journey. The Sangeet Mahotsav ended with a celebration of colours and joy.

IQAC and the Music Department extend their heartfelt gratitude to all participants, students, and faculty members for making this event a grand success.

Images of the Workshop

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग

News -

NHL NETWORK date 21.02.2025

Jaagran , 22.02.2025

महाविद्यालय में संगीत विभाग द्वारा " लोक संगीत महोत्सव,बसंतोत्सव का आयोजन किया गया।

February 21, 2025 एनएचएल नेटवर्क

Listen to this

एनएचएल नेटवर्क संवाददाता।

बेरीनाग।राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर बी. एम. पाण्डेय के मार्गदर्शन में संगीत विभाग द्वारा " लोक संगीत महोत्सव,बसंतोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टनकपुर के संगीत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर, संगीतज्ञ डॉ. पंकज उप्रेती रहे।

डॉ. उप्रेती ने कुमाउनी होली के सुर की लहरों से समस्त श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने राग बसन्त "फगुआ बृज देखन को चली रे", राग भोपाली, राग कल्याण जैसे रागों की प्रस्तुति से

डॉ. उप्रेती ने कुमाउनी होली के सुर की लहरों से समस्त श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने राग बसन्त "फगुआ बृज देखन को चली रे", राग भोपाली, राग कल्याण जैसे रागों की प्रस्तुति से लेकर राग भैरवी के सुरों से शमां बांधा। कार्यक्रम में तबले पर महाविद्यालय के संगीत विभाग के हरीश जोशी ने लाजवाब संगत की। धीरज कुमार ने भी तबले पर अच्छी संगत की। कार्यक्रम में डॉ. लीलाधर मिश्र, डॉ. अंजली देवी यादव ने होली गीत प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी. एम. पाण्डेय ने बताया कि संगीत से मानव जीवन में सकारात्मकता का भाव परिलक्षित होता है। उन्होंने संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये लोक संगीत महोत्सव जैसे आयोजन को प्रासंगिक बताया एवं भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। संगीत विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंजली देवी यादव ने रिसोर्स पर्सन डॉ. पंकज उप्रेती, धीरज कुमार को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संगीत से मानव जीवन में सकारात्मकता का भाव होता है परिलक्षित : प्रो. पांडेय

संसू, जागरण • बेरीनाग : स्थानीय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लोक संगीत महोत्सव (वसंतोत्सव) का आयोजन किया गया। जिसमें कुमाऊंनी होली की गीतों की प्रस्तुति से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में लोक संगीत महोत्सव में प्रस्तुति देते कलाकार • जागरण

कार्यक्रम में बतौर रिसोर्स पर्सन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टनकपुर के संगीत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर संगीतज्ञ डा. पंकज उप्रेती ने शानदार होली गीतों का गायन किया। उन्होंने राग वसंत फगुआ बृज देखन को चली रे, राग भोपाली, राग कल्याण जैसे रागों की प्रस्तुति से लेकर राग भैरवी के सुरों से समां बांधा। डा. लीलाधर मिश्र, डा. अंजली देवी यादव ने भी शानदार होली गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में तबले पर महाविद्यालय के संगीत विभाग के हरीश जोशी व धीरज कुमार ने संगत दी। उत्तराखंड के अन्य महाविद्यालयों के कार्मिकों ने आभासी रूप से उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बीएम पांडेय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बताया कि संगीत से मानव जीवन में सकारात्मकता का भाव परिलक्षित होता है। उन्होंने संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए लोक संगीत महोत्सव जैसे आयोजन को प्रासंगिक बताया और भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। संगीत विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अंजली देवी यादव ने रिसोर्स पर्सन डा. पंकज उप्रेती, धीरज कुमार को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. लीलाधर मिश्र ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में लोक संगीत महोत्सव मनाया

बेरीनाग। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. बीएम पाण्डेय के मार्गदर्शन में संगीत विभाग ने लोक संगीत महोत्सव बसंतोत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टनकपुर के संगीत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर, संगीतज्ञ डॉ. पंकज उप्रेती रहे। डॉ. उप्रेती ने कुमाउंनी होली के सुर की लहरों से समस्त श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने राग बसन्त फगुआ बृज देखन को चली रे, राग भोपाली, राग कल्याण जैसे रागों की प्रस्तुति से लेकर राग भैरवी के सुरों से शमां बांधा। कार्यक्रम में तबले पर महाविद्यालय के संगीत विभाग के हरीश जोशी ने संगत की। कार्यक्रम में डॉ. लीलाधर मिश्र, डॉ. अंजली देवी यादव ने होली गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लीलाधर मिश्र ने किया।